जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम– मदाऊ, पोस्ट भाकरोटा, जिला जयपुर–302026

श्रमण विद्या संकाय

परीक्षा 2022 हेतु संशोधित पाठ्ययोजना

संयुक्ताचार्य/शास्त्री सामान्य पाठ्यक्रम का विवरण

Courses		Papers	Total Credits	Credits for Each Paper/Semester					
Core Courses				(Shastri)B.A.					
				i	ii	iii	iv	v	vi
	Optional 1 (संस्कृतवाङ्मय)	4	24	6	6	6	6	-	-
	Optional 2 (साहित्य/व्याकरण/वेद/ ज्योतिष /जैनदर्शन आदि परम्परागत विषय)	4	24	6	6	6	6	-	-
	Optional 3 (हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिविज्ञानआदिआधुनिकविषय)	4	24	6	6	6	6	-	-
Ability Enhancement	Language (English Comp.) (AEEC)	2	2	2	-		-	-	-
	Env. Studies(AEES)	1	2	-	2	-	-	-	-
Skill Enhancement	Value Added (हिन्दी)(SEC-1)	2	2	-	-	2	-		
	Value Added (Computers) (SEC-2)	1	2	-	-	-	2	-	-
	Value Added (भारतीयराजनीति एवं प्रशासन) (SEC-3)	1	2	-	-	-		2	-
	Value Added (Physical Education& Yoga) (SEC-4)	1							2
Discipline Specific Elective	Optional 1 (साहित्य/व्याकरण/वेद/ ज्योतिष/जैनदर्शन आदिपरम्परागतविषय) (DSEO-10)	2	12	-	-	-	-	6	6
	Optional 2 (हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिविज्ञानआदिआधुनिकविषय) (DSEO-20)	2	12	-	-	-	-	6	6
Generic Elective	Open Stream (संस्कृतभाषा एवं व्याकरण ज्ञान)(GEOS)	2	12	-	-	-	-	6	6
Total Credits for Each Semester				20	20	20	20	20	20

प्रश्नपत्रों की विवरण तालिका

प्रथम सेमेस्टर	CO-101,CO-201, CO-301,AEEC-1
द्वितीय सेमेस्टर	CO-102,CO-202, CO-302,AEES
तृतीय सेमेस्टर	CO-103,CO-203, CO-303,AEEC-2, SEC-1
चतुर्थ सेमेस्टर	CO-104,CO-204, CO-304,SEC-1, SEC-2
पंचम सेमेस्टर	DSEO-101,DSEO-201, GEOS-1, SEC-3
षष्ठ सेमेस्टर	DSEO-102,DSEO-202, GEOS-2, SEC-4

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम– मदाऊ, पोस्ट भाकरोटा, जिला जयपुर–302026

श्रमण विद्या संकाय

परीक्षा 2022

संशोधित सामान्य निर्देश(शास्त्री कक्षाओं हेतु)

1. शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रथम सेमेस्टर में कोर ग्रुप के तीन पत्र होंगे तथाएक पत्र**Ability Enhancement** के अन्तर्गत अनिवार्य अंग्रेजी का होगा।
2. द्वितीय सेमेस्टर में कोर ग्रुप के तीन पत्र होंगे तथा एक पत्र**Ability Enhancement** के अन्तर्गत Env. Studiesका होगा।
3. तृतीय सेमेस्टर में कोर ग्रुप के तीन पत्र होंगे तथा एक पत्र **Skill Enhancement** के अन्तर्गत Hindi(SEC-1) का होगा।
4. चतुर्थसेमेस्टर में कोर ग्रुप के तीन पत्र होंगे तथा एक पत्र **Skill Enhancement** के अन्तर्गत Computers(SEC-2) का होगा।
5. पंचम सेमेस्टर (परीक्षा–2023) में **Discipline Specific Elective** ग्रुप के दो पत्र होंगे तथा **Generic Elective Group** का एक पत्र **Skill Enhancement** के अन्तर्गत **भारतीयराजनीति एवं प्रशासन) (SEC-3)**का होगा।
6. षष्ठ सेमेस्टर (परीक्षा–2023) में **Discipline Specific Elective** ग्रुप के दो पत्र होंगे तथा **Generic Elective Group** का एक पत्र **Skill Enhancement** के अन्तर्गत **(Physical Education& Yoga) (SEC-4)**का होगा।
7. प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा जिसमें 75 अंक का प्रश्नपत्र एवं 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु हैं। जिसका अंक विभाजन निम्नलिखित सारिणी अनुसार रहेगा।

प्रश्नप्रकाराः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	10	10	10x2=20
व्याख्यात्मक / टिप्पणी	10	05	5x6=30
निबन्धात्मकाः	04	02	2x12½=25
नोटः–1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित है। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 75+25=100 अंक हैं। 2. जिस विषय / प्रश्नपत्र में प्रायोगिक कार्य निर्धारित है, उसमें आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।			

8. आन्तरिक मूल्यांकन में प्रोजेक्ट / मॉडल / फील्डवर्क / बहस आदि समाहित हैं।
9. जिसपत्र में प्रायोगिक परीक्षा निर्धारित है उसमें प्रश्नपत्र 60 अंक एवं प्रायोगिक 40 अंक होगी, वहाँ आन्तरिक मूल्यांकन हेतु पृथक् अंक नहीं रहेंगे।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 60 लेक्चर एवं 16 टयूटोरियल होंगे।

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम– मदाऊ, पोस्ट भाकरोटा, जिला जयपुर–302026

श्रमण विद्या संकाय

परीक्षा 2022 हेतु संशोधित पाठ्ययोजना

प्रश्नपत्रों का विवरण इस तालिका में दर्शाये गए संकेतांकों के माध्यम से समझा जा सकता है:–

पत्र	प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर	पंचम सेमेस्टर	षष्ठ सेमेस्टर
मुख्यवैकल्पिक विषय (वर्ग–1) संस्कृत वाङ्मय	**CO-101**	**CO-102**	**CO-103**	**CO-104**		
मुख्यवैकल्पिक विषय (वर्ग–2) साहित्य, व्याकरण /जैनदर्शन आदि	**CO-201**	**CO-202**	**CO-203**	**CO-204**		
मुख्यवैकल्पिक विषय (वर्ग–3)हिन्दी, अंग्रेजी राजनीति विज्ञान आदि	**CO-301**	**CO-302**	**CO-303**	**CO-304**		
अंग्रेजी अनिवार्य	**AEEC-1**					
मुख्यवैकल्पिक विषय (वर्ग–2) साहित्य व्याकरण /जैनदर्शन आदि					**DSEO101**	**DSEO102**
मुख्यवैकल्पिक विषय (वर्ग–3) हिन्दी, अंग्रेजी राजनीति विज्ञान आदि					**DSEO201**	**DSEO202**
मुख्यवैकल्पिक विषय संस्कृत वाङ्मय(संस्कृत भाषा ज्ञान एवं व्याकरण वर्ग–1)					GEOS-1	GEOS-2
कम्प्यूटर				**SEC-2**		
पर्यावरण		**AEES**				
हिन्दी अनिवार्य			**SEC-1**			
भारतीय राजनीति एवं प्रशासन					**SEC-3**	
शारीरिक शिक्षा एवं पर्यावरण						**SEC-4**

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम– मदाऊ, पोस्ट भाकरोटा, जिला जयपुर–302026

श्रमण विद्या संकाय

परीक्षा 2022 हेतु संशोधित पाठ्ययोजना

CREDIT DISTRIBUTION FOR POST-GRADUATE PROGRAMS UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Courses		Papers	Total Credits	Credits for Each Paper/Semester			
AECC	AECC -01 (वैदिकसाहित्य एवं तुलनात्मकभाषा विज्ञान)			(Acharya)M.A.			
				i	ii	iii	iv
		2	8	4	4	-	-
	AECC -02 (संस्कृतसाहित्य का ऐतिहासिक परिचय)	2	8	4	4	-	-
	AECC -03 (भारतीय धर्मदर्शन)	2	8			4	4
Core Courses	CCA-01 (साहित्य/व्याकरण/वेद/ ज्योतिष/जैनदर्शन आदिपरम्परागतविषय	4	18	4	4	5	5
	CCA-02 (साहित्य/व्याकरण/वेद/ ज्योतिष/जैनदर्शन आदिपरम्परागतविषय	4	18	4	4	5	5
	CCA-03 (साहित्य/व्याकरण/वेद/ ज्योतिष/जैनदर्शन आदिपरम्परागतविषय	2	10	-	-	5	5
	CCA-04 (साहित्य/व्याकरण/वेद/ ज्योतिष/जैनदर्शन आदिपरम्परागतविषय	2	10	-	-	5	5
Dissertation or OEC	Dissertation/OEC (स्व विषय से अतिरिक्त साहित्य,व्याकरण आदि प्राच्य विषय एवं हिन्दी, अंग्रेजी व राजनीतिविज्ञान)	2	8	4	4		
Total Credits for Each Semester		18	88	20	20	24	24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम– मदाऊ, पोस्ट भाकरोटा, जिला जयपुर–302026

श्रमण विद्या संकाय

परीक्षा 2022

संशोधित सामान्य निर्देश(आचार्य कक्षा हेतु)

1. आचार्य पाठ्यक्रम में प्रथम –द्वितीय सेमेस्टर में **AECC** के दो–दो पत्र एवं आचार्य तृतीय–चतुर्थ सेमेस्टर में **AECC** के 1–1 पत्र होंगे।
2. आचार्य पाठ्यक्रम में प्रथम –द्वितीय सेमेस्टर में (**Core Course**)विषय के दो–दो पत्र एवं आचार्य तृतीय–चतुर्थ सेमेस्टर में (**Core Course**)विषय के चार–चार पत्र होंगे।
3. आचार्य प्रथम व द्वितीर्य समेस्टर में लघुशोधप्रबन्ध लेने वाले विद्यार्थियों के लिए ये पत्र **OEC** का वैकल्पिक होगा। लघुशोधप्रबन्ध / **OEC** के Credit 4+4=8 होंगे।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा जिसमें 70 अंक का प्रश्नपत्र एवं 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु हैं। जिसका अंक विभाजन निम्नलिखित सारिणी अनुसार रहेगा।

प्रश्नप्रकाराः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	10	5	5x2=10
टिप्पणी	8	4	4x5=20
व्याख्या	4	02	2x10=20
व्याख्यात्मक / समीक्षात्मक / निबन्धात्मकाः प्रश्नाः	2	01	1x20=20
नोटः–1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित है। इस प्रकार प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 70+30=100 अंक हैं। 2. जिस विषय / प्रश्नपत्र में प्रायोगिक / लघुशोधप्रबन्ध है, उसमें आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।			

5. आन्तरिक मूल्यांकन में प्रोजेक्ट / मॉडल / फील्डवर्क / बहस आदि समाहित हैं।
6. जिसपत्र में प्रायोगिक परीक्षा निर्धारित है उसमें प्रश्नपत्र 60 अंक एवं प्रायोगिक 40 अंक का होगा, वहाँआन्तरिक मूल्यांकन हेतु पृथक् अंक नहीं रहेंगे।
7. प्रत्येक सेमेस्टर में 60 लेक्चर एवं 16 टयूटोरियल होंगे।

परीक्षा सत्रम् 2021-2022 हेतु संशोधित पाठ्यक्रम

शास्त्रीप्रथमवर्ष:

CO-201

प्राकृत-जैनागम:

प्रथम सेमेस्टर (75+25 = 100 अंका:)

(क) पंचास्तिकाय- (प्रथम श्रुतस्कंध- मूलमात्रम्, आचार्य कुदन्दकुन्दकृत) 35 अंका:

(ख) प्राकृत गद्य-पद्य सौरभ (पाठा: 3,4,6,9,11, डॉ. कमलचंद सौगाणी) 40 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

शास्त्रीप्रथमवर्ष:

CO-202

प्राकृत-जैनागम:

द्वितीय सेमेस्टर –

(क) पंचास्तिकाय: (द्वितीय-तृतीय श्रुतस्कन्ध, [मूलमात्रम्] आ. कुंदकुंदकृत) 30 अंका:

(ख) प्राकृतव्याकरणप्रवेशिका (सत्यरंजनबैनर्जी) 15 अंका:

(ग) प्राकृत-अभ्यास सौरभ (पाठा: 1 त: 39 पर्यन्तम्, डॉ. कमलचंद सौगाणी) 30 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. प्राकृत गद्य-पद्य सौरभ - अपभ्रंश साहित्य अकादमी जैन विद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, राज.)
2. प्राकृत व्याकरण प्रवेशिका –जैन भवन, कलकत्ता, प्रथम संस्करण
3. प्राकृत अभ्यास सौरभ – अपभ्रंश साहित्य अकादमी जैन विद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, राज.
4. पंचास्तिकाय - श्रीमद् राजचंद्राश्रम:आगास

शास्त्रीद्वितीयवर्ष:

CO-203

प्राकृत-जैनागम:

तृतीय सेमेस्टर (75+25 = 100 अंका:)

(क) प्राकृत व्याकरणम् (डॉ. कमलचंद सौगाणी) 30 अंका:

(ख) अभिनव प्राकृत व्याकरण 30 अंका:

(डॉ. नेमिचंदशास्त्रीकृत-मागधी-अर्द्धमागधी-शौरसेनी-महाराष्ट्री-पैशाची-प्राकृतभाषायां परिचय:)

(ग) गोम्मटसारजीवकाण्ड: 15 अंका:

(गुणस्थान अधिकारमात्रम् [गणितभागवर्जितम्)] आ. नेमिचदंसिद्धांतचक्रवर्तीकृत)

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

शास्त्रीद्वितीयवर्षः

CO-204

प्राकृत-जैनागमः

चतुर्थ सेमेस्टर

(क) गोम्मटसारजीवकाण्डः — 40 अंकाः

(जीवसमासोपयोगालापाधिकाराः [गणितभागवर्जितम्)] आ. नेमिचदंसिद्धांतचक्रवर्तीकृत)

(ख) प्राकृत गद्य-पद्यसौरभ (पाठ-1,2,5,7,12, डॉ. कमलचंद सौगाणी) — 35 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- — 25 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

प्रकाशनम्-

1. प्राकृत व्याकरणम् - अपभ्रंश साहित्य अकादमी जैन विद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, राज.)
2. अभिनव प्राकृत व्याकरण - जैनविद्या पीठ सागर (म.प्र.)
3. गोम्मटसारजीवकाण्ड - श्रीमद् राजचंद्राश्रमःआगास
4. प्राकृत गद्य-पद्यसौरभ -अपभ्रंश साहित्य अकादमी जैन विद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, राज.

शास्त्रीतृतीयवर्षः –

विशेष - शास्त्री तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम जो सत्र 2020-2021 में निर्धारित था, सत्र 2021-2022 के लिए वही यथावत् रखा जाये। (पुराना पाठ्यक्रम संलग्न है) इसमें सेमेस्टर पद्धति लागू नहीं है।

प्रथमप्रश्नपत्रम्

1. (क) प्रौढ प्राकृत रचना सौरभ (डॉ. कमलचंद सौगाणी) — 50 अंकाः

   (ख) उत्तराध्ययनसूत्र (नमिपव्वज्जा, केशीगोतमीयसंवादश्च) — 50 अंकाः

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

1. (क) प्राकृत गद्य-पद्यसौरभ (पाठ-8,10,13,14 , डॉ. कमलचंद सौगाणी) — 20 अंकाः
2. (ख) प्राकृतसाहित्य का इतिहास (अध्याय- 1 से 4 तक, डॉ. जगदीशचंदजैनः) — 30 अंकाः
3. (ग) प्रवचनसारः (ज्ञानाधिकारमात्रम्, आ. कुन्दकुन्दः) — 50 अंकाः

प्रकाशनम्-

1. प्रौढ प्राकृत रचना सौरभ - अपभ्रंश साहित्य अकादमी जैन विद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, राज.
2. उत्तराध्ययनसूत्र - श्री आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर राजस्थान
3. प्राकृत गद्य-पद्यसौरभ - अपभ्रंश साहित्य अकादमी जैन विद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, राज.
4. प्राकृतसाहित्य का इतिहास - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. प्रवचनसारः - श्रीमद् राजचंद्राश्रमःआगास

आचार्यप्रथमवर्षः

CCA-101

तृतीयप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागमः

संयुक्ताचार्य प्रथम सेमेस्टर — (70+30 = 100 अंकाः)

(क)अष्टपाहुड (दंसण, सूत्र, चारित्र पाहुड) — 50 अंकाः

(ख) नियमसारो (जीवाजीवाधिकार: 1 त: 37 गाथापर्यंतम्) 20 अंका:

आचार्यप्रथमवर्ष:

CCA-102

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम:

कर्पूरमञ्जरी (राजशेखर:) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

पंचमपत्रम्

लघुशोध प्रबन्धः 70 अंकाः

मौखिकी 30 अंकाः

अथवा

OEC

I. स्वविषय से अतिरिक्त शास्त्री स्तर में निर्धारित प्रथम सेमेस्टर के किसी भी प्राच्य विषय का एक पत्र (OEC के अन्तर्गत आधुनिक विषयों में से निर्धारित विषय/पत्र का चयन राज्य सरकार की स्वीकृति के अध्यधीन रहेगा।) 70 अंक

II. **आन्तरिक मूल्याङ्कन–** 30 अंकाः

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/बहस/पत्रवाचन/असाइन्मेंट/सामयिक)

परीक्षा आदि। कुल अंक –I+II = 70 +30 = 100

आचार्यप्रथमवर्ष:

CCA-201

तृतीयप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम:

संयुक्ताचार्य द्वितीय सेमेस्टर

(क) कर्तिकेयानुप्रेक्षा-कत्तिगेयाणुप्पेक्खा 40 अंका:

(स्वामीकुमारकृत, गाथा-302 से 408 पर्यंत धर्मानुप्रेक्षान्तर्गतंदशधर्मविवेचनं, व्रतविवेचनं च)

(ख) समणसुत्तं – (मंगलसूत्रं जिनशासनसूत्रं च, जिनेन्द्रवर्णी संकलितम्) 30 अंका:

आचार्यप्रथमवर्ष:

CCA-202

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम:

भगवती आराधना (100 गाथा पर्यंतम्, श्री शिवाचार्यकृत) 30 अंका:

(ख) आयारांगसुत्तम् (सत्थपरिण्णा-लोकविजयो इति अधिकारद्वयम्) 40 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. अष्टपाहुड - भारतवर्षीय अनेकांत विद्वत्परिषद्
2. नियमसारो - श्री दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर, उ.प्र.
3. कर्पूरमञ्जरी - भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
4. कर्तिकेयानुप्रेक्षा - श्रीमद् राजचंद्राश्रम, आगास
5. समणसुत्तं - सर्वसेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी
6. भगवती आराधना - जैन संस्कृति संरक्षक संघ 410 दक्षिण कस्बा सोलापुर
7. आयारांगसुत्तम् - आगम प्रकाशन समिति ब्यावर

पंचमपत्रम्

लघुशोध प्रबन्धः **70 अंकाः**

मौखिकी **30 अंकाः**

अथवा

OEC

I. स्वविषय से अतिरिक्त शास्त्री स्तर में निर्धारित द्वितीय सेमेस्टर के किसी भी प्राच्य विषय का एक पत्र (OEC के अन्तर्गत आधुनिक विषयों में से निर्धारित विषय/पत्र का चयन राज्य सरकार की स्वीकृति के अध्यधीन रहेगा।) 70 अंक

II. **आन्तरिक मूल्याङ्कन–** 30 अंकाः

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/बहस/पत्रवाचन/असाइन्मेंट/सामयिक)

परीक्षा आदि। कुल अंक –I+II = 70 +30 = 100

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-301

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागमः

संयुक्ताचार्य तृतीय सेमेस्टर (70+30 = 100 अंकाः)

(क) मृच्छकटिकम् (महाकवि शूद्रक, 1,2,6 अंक) 40 अंकाः

(ख) प्रवचनसारः (पवयणसार, ज्ञेयाधिकारमात्रं) 30 अंकाः

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-302

तृतीयप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागमः

भावत्रिभंगी (आचार्य श्रुतमुनिविरचितं) 70 अंकाः

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-303

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागमः प्राकृत-जैनागमः

अर्हत् प्रवचनम् – (1 से 7 अध्याय, संकलनकर्ता संपादित पं.चैनसुखदास) 70 अंकाः

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-304

पंचमप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम:

(क) प्राकृत गद्य पद्य सोपान - (पाठ –11 से 20 तक,डॉ. प्रेमसुमन जैन) 50 अंका:

(ख) श्रुतस्कंध (ब्र. हेमचंद्रविरचित:) 20 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-401

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम:

संयुक्ताचार्य चतुर्थ सेमेस्टर

समयसारो समयपाहुड 70 अंका:

(जीवाजीवाधिकार:, कर्ताकर्माधिकार:, निर्जराधिकार:, आ. कुंदकुंद:)

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-402

तृतीयप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम:

सम्मइसुत्तं (आचार्यसिद्धसेनविरचितम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-403

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम: प्राकृत-जैनागम:

(क) कसायपाहुडसुत्तं – (मूलमात्रं आ. गुणधरप्रणीतम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-404

पंचमप्रश्नपत्रम्

प्राकृत-जैनागम:

(क) प्राकृतसाहित्यस्य आचार्याणां परिचय: – 30 अंका:

(ख) प्राकृतकाव्यसाहित्यस्य परिचय: 40 अंका:

सहायक ग्रन्था:-

1. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ नेमिचंद्र शास्त्री, प्रका. तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, प्रा. चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परंपरा, डॉ. नेमिचंद्र शास्त्री, प्रका. आचार्य शान्तिसागर छाणी ग्रन्थमाला, बुढ़ाना मुजफ्फरनगर

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. मृच्छकटिकम् - चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
2. प्रवचनसार: - श्रीमद् राजचंद्र आश्रम, आगास
3. भावत्रिभंगी - गंगवाल धार्मिक ट्रस्ट नयापारा रायपुर
4. अर्हत् प्रवचनम् – प्रका. जैन विद्या संस्थान, दिगम्बर जैन, अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
5. प्राकृत गद्य पद्य सोपान – प्राकृत भारती अकादमी, मालवीय नगर जयपुर
6. श्रुतस्कंध - गंगवाल धार्मिक ट्रस्ट नया पारा, रायपुर
7. समयसारो (समयपाहुड) - श्रीमद् राजचंद्राश्रम:आगास
12. सम्मइसुत्तं - भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
13. कसायपाहुडसुत्तं – संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

परीक्षा सत्रम् 2021-2022 हेतु संशोधित पाठ्यक्रम

शास्त्रीप्रथमवर्ष:

CO-201

जैनदर्शनम्

प्रथम सेमेस्टर (75+25 = 100 अंका:)

(क) सर्वार्थसिद्धि: (आ. पूज्यपादकृत, प्रथमोऽध्याय:, [अष्टम सूत्र वर्जित]) 40 अंका:

(ख) प्रमेयरत्नमाला - (प्रथम एवं द्वितीयसमुद्देश:-आ. लघु अनंतवीर्य:) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

शास्त्रीप्रथमवर्ष:

CO-202

जैनदर्शनम्

द्वितीय सेमेस्टर –

(क) सर्वार्थसिद्धि: (आ. पूज्यपादकृत, द्वितीयोऽध्याय:) 40 अंका:

(ख) प्रमेयरत्नमाला (तृतीय समुद्देश: - आ. लघु अनंतवीर्य:) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. सर्वार्थसिद्धि: – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. प्रमेयरत्नमाला - चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

शास्त्रीद्वितीयवर्ष:

CO-203
जैनदर्शनम्

तृतीय सेमेस्टर (75+25 = 100 अंका:)

(क) सर्वार्थसिद्धि: (पंचमोऽध्याय:- आ. पूज्यपाद:) 40 अंका:

(ख) प्रमेयरत्नमाला (चतुर्थ-पंचमसमुद्देशौ - आ. लघु अनंतवीर्य:) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

शास्त्रीद्वितीयवर्ष:
CO-204
जैनदर्शनम्

चतुर्थ सेमेस्टर

(क) बृहद्द्रव्यसंग्रह: (प्रथमोऽधिकार:-आ. नेमिचंदसिद्धांतिदेव:, टीकाकार:- ब्रहमदेवसूरि:) 40 अंका:

(ख) स्याद्वादमंजरी (1 त: 11 कारिकापर्यन्तम्, आ. मल्लिषेणसूरि:) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. सर्वार्थसिद्धि: – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. प्रमेयरत्नमाला - चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
3. बृहद्द्रव्यसंग्रह: - श्रीमद् राजचंद्र, आश्रम, आगास
4. स्याद्वादमंजरी - श्रीमद् राजचंद्र, आश्रम, आगास

शास्त्रीतृतीयवर्ष: –

विशेष - शास्त्री तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम जो सत्र 2020-2021 में निर्धारित था, सत्र 2021-2022 के लिए वही यथावत् रखा जाये। (पुराना पाठ्यक्रम संलग्न है) इसमें सेमेस्टर पद्धति लागू नहीं है।

प्रथमप्रश्नपत्रम्

1. तत्त्वार्थराजवार्तिकम् (प्रथमोऽध्याय:) 40 अंका:
2. आप्तमीमांसा (आ. समंतभद्र:1 त: 60 कारिकापर्यंतम्) 40 अंका:
3. निरंजनशतकम् (आ. विद्यासागर:) 20 अंका:

द्वितीय प्रश्नपत्र

1. आप्तपरीक्षा (आ. विद्यानंद 1 से 25 कारिका) 50 अंका:
2. जैन तत्त्वविद्या (चरणानुयोग: द्रव्यानुयोगश्च, मुनिप्रमाणसागर:) 30 अंका:
3. चैतन्यचन्द्रोदयशतकम् (आ. विद्यासागर:) 20 अंका:

प्रकाशन-

1. तत्त्वार्थराजवार्तिकम् - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. आप्तमीमांसा - वीरसेवा मन्दिर ट्रस्ट दिरयागंज दिल्ली
3. निरंजनशतकम् – जैन विद्या पीठ, सागर मध्यप्रदेश
4. आप्तपरीक्षा - भारतवर्षीय अनेकांत विद्वत्परिषद्

5. जैन तत्त्वविद्या - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
6. चैतन्यचन्द्रोदयशतकम् – जैन संस्कृति संरक्षक संघ, सोलापुर

आचार्यप्रथमवर्षः

CCA-101

तृतीयप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

संयुक्ताचार्य प्रथम सेमेस्टर (70+30 = 100 अंकाः)

तत्त्वार्थराजवार्तिकम् (2, 5 अध्यायः, आ. अकलंकदेवः) 70 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

आचार्यप्रथमवर्षः

CCA-102

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

पंचास्तिकायः (मूलगाथाः, आ. कुन्दकुन्दः) 70 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

पंचमपत्रम्

लघुशोध प्रबन्धः **70 अंकाः**

मौखिकी **30 अंकाः**

अथवा

OEC

I. स्वविषय से अतिरिक्त शास्त्री स्तर में निर्धारित प्रथम सेमेस्टर के किसी भी प्राच्य विषय का एक पत्र (OEC के अन्तर्गत आधुनिक विषयों में से निर्धारित विषय/पत्र का चयन राज्य सरकार की स्वीकृति के अध्यधीन रहेगा।) 70 अंक

II. **आन्तरिक मूल्याङ्कन–** 30 अंकाः

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/बहस/पत्रवाचन/असाइन्मेंट/सामयिक)

परीक्षा आदि। कुल अंक –I+II = 70 +30 = 100

संयुक्ताचार्य द्वितीय सेमेस्टर

CCA-201

तृतीयप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

प्रमाणमीमांसा (आ. हेमचंद्रसूरिः) 70 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

आचार्यप्रथमवर्षः

CCA-202

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

युक्त्यनुशासनम् (आ. समंतभद्रविरचितम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. तत्त्वार्थराजवार्तिकम् - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. पंचास्तिकाय: - श्रीमद् राजचंद्र, आश्रम, आगास
3. प्रमाणमीमांसा - सरस्वती पुस्तक भण्डार, अहमदाबाद
4. युक्त्यनुशासनम्- वीरसेवा मन्दिर सरसावा, जिला-सहारनपुर

पंचमपत्रम्

लघुशोध प्रबन्धः **70 अंकाः**

मौखिकी **30 अंकाः**

अथवा

OEC

I. स्वविषय से अतिरिक्त शास्त्री स्तर में निर्धारित द्वितीय सेमेस्टर के किसी भी प्राच्य विषय का एक पत्र (OEC के अन्तर्गत आधुनिक विषयों में से निर्धारित विषय/पत्र का चयन राज्य सरकार की स्वीकृति के अध्यधीन रहेगा।) 70 अंक

II. **आन्तरिक मूल्याङ्कन–** 30 अंकाः

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/बहस/पत्रवाचन/असाइन्मेंट/सामयिक)

परीक्षा आदि। कुल अंक –I+II = 70 +30 = 100

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-301

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

संयुक्ताचार्य तृतीय सेमेस्टर (70+30 = 100 अंका:)

समयसार: (प्रथमत: तृतीय अधिकार पर्यंतम्, आ. कुन्दकुन्दकृत) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-302

तृतीयप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

सन्मतिसूत्रम् - सम्मइसुत्तं (आ. सिद्धसेनकृत) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-303

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

आप्तमीमांसा-देवागमः (61 तः 114 पर्यंतम्, आ. समंतभद्रविरचित) 70 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-304

पंचमप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

अष्टसहस्री (आ. विद्यानंदविरचितम् 1 तः 12 कारिकापर्यंतमः् एवञ्च तृतीयकारिकावर्जितम्) 70 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-401

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

संयुक्ताचार्य चतुर्थ सेमेस्टर

कार्तिकेयानुप्रेक्षा (स्वामीकार्तिकेयविरचितम्) 70 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-402

तृतीयप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

गोम्मटसारजीवकाण्डः (गणितभागवर्जितं, आ. नेमिचंदसिद्धांतचक्रवर्तीविरचितम्) 70 अंकाः

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंकाः

शैक्षणिकाः अंशाः

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

आचार्यद्वितीयवर्षः

CCA-403

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

प्रमेयकमलमार्तण्ड: (प्रथमद्वितीयाध्यायौ, आ. प्रभाचंद्रकृतविरचितम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-404

पंचमप्रश्नपत्रम्

जैनदर्शनम्

ज्ञानार्णव: (27 त: 41 सर्गपर्यंतम्, आ. शुभचंद्रविरचितम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. समयसार: - श्रीमद् राजचंद्र, आश्रम, आगास
2. सन्मतिसूत्रम् - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. आप्तमीमांसा - वीरसेवा मन्दिर ट्रस्ट दरियागंज दिल्ली
4. अष्टसहस्री - दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान हस्तिनापुर
5. कार्तिकेयानुप्रेक्षा - श्रीमद् राजचंद्र, आश्रम, आगास
6. गोम्मटसारजीवकाण्ड: - श्रीमद् राजचंद्र, आश्रम, आगास
7. प्रमेयकमलमार्तण्ड: - जैन चेरीटेबल ट्रस्ट दरियागंज दिल्ली
8. ज्ञानार्णव: - श्रीमद् राजचंद्र, आश्रम, आगास

परीक्षा सत्रम् 2021-2022 हेतु संशोधित पाठ्यक्रम

शास्त्रीप्रथमवर्ष:

CO-201

बौद्धदर्शनम्

प्रथम सेमेस्टर (75+25 = 100 अंका:)

(क) धम्मपदपालि (प्रथमवर्गत: दशवर्गपर्यंतम्) 40 अंका:

(ख) अर्थविनिश्चयसूत्रम् (सम्पा. एन. एच. सामताणि) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

शास्त्रीप्रथमवर्ष:

CO-202

बौद्धदर्शनम्

द्वितीय सेमेस्टर –

(क) शिक्षासमुच्चय कारिका (आचार्य शांतिदेवकृत) 40 अंका:

(ख) अत्तदीपो भव (डॉ. विजयकुमारजैन:) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. धम्मपदपालि - मास्टर खताडी लाल, कचौडी गली वाराणसी
2. अर्थविनिश्चयसूत्रम् - के. पी.जायसवाल इंस्टीट्यूट पटना, एवं मोतीलाल वनारसीदास, वाराणसी
3. शिक्षासमुच्चय कारिका - मैत्री प्रकाशन, गोमतीनगर लखनऊ
4. अत्तदीपो भव - मैत्री प्रकाशन, गोमतीनगर लखनऊ

शास्त्रीद्वितीयवर्ष:

CO-203

बौद्धदर्शनम्

तृतीय सेमेस्टर (75+25 = 100 अंका:)

(क) चतु:शतकम् - आचार्य आर्यदेवकृत (प्रथमत: अष्टपरिच्छेदपर्यंतम्) 40 अंका:

(ख) विग्रहव्यावर्तनी (आ. नागार्जुनकृत) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

शास्त्रीद्वितीयवर्ष:

CO-204

बौद्धदर्शनम्

चतुर्थ सेमेस्टर

(क)अभिधम्मत्थसंगहो - आ. अनुरुद्धकृत (प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ) 40 अंका:

(ख) बौद्ध तर्कभाषा – आ. मोक्षांकरकृत (प्रथमपरिच्छेदमात्रम्) 35 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 25 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. चतु:शतकम् - आलोक प्रकाशन, नागपुर 2. विग्रहव्यावर्तनी - मैत्री प्रकाशन विकास खण्ड गोमती नगर, लखनऊ
3. अभिधम्मत्थसंगहो - संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. बौद्ध तर्कभाषा - केन्द्रीय तिब्बती उच्चतर शिक्षण संस्थान सारनाथ, वाराणसी

शास्त्रीतृतीयवर्ष: –

विशेष - शास्त्री तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम जो सत्र 2020-2021 में निर्धारित था, सत्र 2021-2022 के लिए वही यथावत् रखा जाये। (पुराना पाठ्यक्रम संलग्न है) इसमें सेमेस्टर पद्धति लागू नहीं है।

प्रथम प्रश्नपत्रम्

1. विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि: (विंशतिकामात्रम्) 50 अंका:

2. पालिव्याकरण (बालावतार-कृत प्रत्यत्य, कारक, विभक्ति प्रकरण,) 50 अंका:

द्वितीय प्रश्नपत्रम्

बौद्ध-संस्कृति-साहित्येतिहास: 100 अंका:

1. पालिसाहित्येतिहास: - त्रिपिटकम्, अनुपिटकम्, संगीति:
2. महायान परंपरा – नववैपुल्यसूत्रम्, बोधिसत्व:, त्रिकाय:
3. बौद्धदर्शन्परंपरा – सौत्रांन्तिक, वैभाषिक, शून्यवाद:, विज्ञानवाद:
4. बौद्धन्यायपरंपरा – प्रमाणलक्षणम्, प्रत्यक्षलक्षणम्, हेतुर्भेद:, हेत्वाभास:, आचार्य परम्परा

सहायकग्रन्थम् – बौद्धदर्शन मीमांसा, प्रकाशन-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

प्रकाशनम्-

1. विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि: संपूर्णानंद संस्कृत वि.वि. वाराणसी
2. पालिव्याकरण - बौद्ध भारती, वाराणसी

आचार्यप्रथमवर्ष: प्रथम सेमेस्टर

CCA-101

तृतीयप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

संयुक्ताचार्य प्रथम सेमेस्टर (70+30 = 100 अंका:)

न्यायबिन्दु:- आचार्यधर्मकीर्तिकृत (प्रथम परिच्छेद:,) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यप्रथमवर्ष:

CCA-102

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

मिलिन्दपञ्हो (तृतीयपरिच्छेदपर्यंतम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

पंचमपत्रम्

लघुशोध प्रबन्धः **70 अंकाः**

मौखिकी **30 अंकाः**

अथवा

OEC

I. स्वविषय से अतिरिक्त शास्त्री स्तर में निर्धारित प्रथम सेमेस्टर के किसी भी प्राच्य विषय का एक पत्र 70 अंक

(OEC के अन्तर्गत आधुनिक विषयों में से निर्धारित विषय/पत्र का चयन राज्य सरकार की स्वीकृति के अध्यधीन रहेगा।)

II. **आन्तरिक मूल्याङ्कन–** 30 अंकाः

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/बहस/पत्रवाचन/असाइन्मेंट/सामयिक)

परीक्षा आदि। कुल अंक –I+II = 70 +30 = 100

द्वितीय सेमेस्टर

आचार्यप्रथमवर्षः

CCA-201

तृतीयप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

संयुक्ताचार्य द्वितीय सेमेस्टर

न्यायबिन्दुः- आचार्यधर्मकीर्तिकृत (2, 3 परिच्छेदमात्रम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

आचार्यप्रथमवर्षः

CCA-202

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः - वसुबन्धुकृत (त्रिंशिका) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवादः, पत्रवाचनम्, कार्यभारः, सामयिक परीक्षा इत्यादयः)

प्रकाशनम्-

1. न्यायबिन्दुः - द्वारकादास शास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी
2. मिलिन्दपहो - बौद्ध भारती वाराणसी
3. विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

पंचमपत्रम्

लघुशोध प्रबन्धः **70 अंकाः**

मौखिकी **30 अंकाः**

अथवा

OEC

I. स्वविषय से अतिरिक्त शास्त्री स्तर में निर्धारित द्वितीय सेमेस्टर के किसी भी प्राच्य विषय का एक पत्र 70 अंक

(OEC के अन्तर्गत आधुनिक विषयों में से निर्धारित विषय/पत्र का चयन राज्य सरकार की स्वीकृति के अध्यधीन रहेगा।)

II. **आन्तरिक मूल्याङ्कन–** 30 अंका:

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/बहस/पत्रवाचन/असाइन्मेंट/सामयिक)

परीक्षा आदि। कुल अंक –I+II = 70 +30 = 100

संयुक्ताचार्य तृतीय सेमेस्टर

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-301

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

संयुक्ताचार्य तृतीय सेमेस्टर (प्रत्येक प्रश्नपत्र अंक 70+30 = 100)

प्रमाणवार्तिकम् (प्रमाणसिद्धि: परिच्छेदमात्रम्) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-302

तृतीयप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

बोधिचर्यावतार : (अष्टमपरिच्छेद:) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-303

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

तत्त्वसंग्रह – प्रकृति परीक्षा शान्तिरक्षितकृत 70 अंक

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-304

पंचमप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

बौद्धसंस्कृतिसाहित्येतिहास:-त्रिपिटिकम्, अनुपिटिकम्, अट्ठकथा, दार्शनिकप्रस्तथानम् 70 अंक

सहायक: ग्रन्थ: - बौद्ध प्रमाणमीमांसा

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

संयुक्ताचार्य चतुर्थ सेमेस्टर

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-401

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

अभिधर्मकोश: (प्रथम कोश) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-402

तृतीयप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

तत्त्वसंग्रह: (शब्दार्थ परीक्षा) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-403

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

शून्यतासप्तति: आचार्य नागार्जुनकृत 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

आचार्यद्वितीयवर्ष:

CCA-404

पंचमप्रश्नपत्रम्

बौद्धदर्शनम्

बौद्धन्यायपरंपरा (आचार्याणां परिचय:) 70 अंका:

आन्तिरकमूल्याङ्कनम् :- 30 अंका:

शैक्षणिका: अंशा:

(प्रायोजनाकार्यम्, वादविवाद:, पत्रवाचनम्, कार्यभार:, सामयिक परीक्षा इत्यादय:)

प्रकाशनम्-

1. प्रमाणवार्तिकम् - केन्द्रीय तिब्बत उच्चतर संस्थान, सारनाथ
2. बोधिचर्यावतार: - बौद्ध भारती, वाराणसी
3. तत्त्वसंग्रह (शब्दार्थ परीक्षा)–दर्शन विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
4. अभिधर्मकोश: - बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी